विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती,गुरूवार 18 से 24 जून 2026 ❖वर्ष :17 ❖अंक- 03 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

भारत में फिर सोने की चमक में इजाफा

अमेरिका-ईरान के बीच समझौते का असर, निवेशकों का बढ़ा है भरोसा,मार्केट मुस्कराया

विदर्भ स्वाभिमान,17 जून

नई दिल्ली- पूरा विश्व एक-दूसरे से जुड़ा है, यही कारण है कि विश्वभर में होने वाली घटनाएं अन्य देशों को भी प्रभावित करती हैं. कुछ इसी तरह की स्थिति सोना-चांदी के मामले में भी हो गई है. सोने की चमक अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के चलते बढ़ गई है. भारत में सोने और चांदी के मार्केट में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है. अगर आप भी आज सोने की ज्वेलरी खरीदने या इन्वेस्ट करने का प्लान बना रहे हैं, तो आपके लिए आज के नए रेट्स और मार्केट के माहौल को समझना बहुत ज़रूरी है.

मिडिल ईस्ट में तीन महीने से ज़्यादा समय से चल रहे झगड़े को खत्म करने और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हुए टेम्पररी एग्रीमेंट से कीमती मेटल्स मार्केट में इन्वेस्टर्स का भरोसा बढ़ा है, जिसके चलते भारत में सोने और चांदी के दाम बढ़े हैं.सोने और चांदी का अभी क्या रेट है-जहां इन्वेस्टर्स अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की डिटेल्स पर ध्यान दे रहे हैं, वहीं ग्लोबल मार्केट में कीमती मेटल्स के दाम स्थिर रहे. इसके चलते मंगलवार को ग्क्ड्र पर सोने और चांदी के दाम गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे हैं. अगस्त डिलीवरी वाला गोल्ड फ्यूचर 0.01 परसेंट गिरकर 1,52,891 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि ग्क्ड्र पर जुलाई डिलीवरी वाला सिल्वर फ्यूचर 0.4 परसेंट गिरकर 2,50,457 रुपये पर आ गया, जो पिछले दिन 2,51,458 रुपये था. इस बीच, पिछले सेशन में एक हफ्ते से ज़्यादा के हाई पर पहुंचने के बाद आज इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड की कीमतों में थोड़ा बदलाव हुआ.प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दिन ऐलान किया कि ईरान और अमेरिका के बीच खाड़ी में लड़ाई खत्म करने के लिए शुरुआती समझौता हो गया है. हालांकि, दोनों देशों के बीच समझौते की डिटेल्स अभी अनाउंस नहीं की गई हैं और दोनों देशों ने साफ किया है कि परमानेंट सीजफायर पर बातचीत अभी बाकी है.

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जीवन में जो लोग अपने से पहले दूसरे के बारे में सोचते हैं, उन्हें तकलीफ काफी होती है, दुनिया जीते-जी उन्हें नहीं समझ पाती है लेकिन परमात्मा उनके साथ होते हैं. ऐसे में उनका कोई भी काम कभी रूकता नहीं है. जीवन ऐसा जीना चाहिए कि दुनिया से अलविदा होने के बाद व्यक्ति को लोग भले भूल जाएं लेकिन आदर्श कार्य वाले व्यक्तित्व को नहीं भूलना चाहिए. इसलिए जितना संभव हो अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए.

विधान परिषद चुनाव की सरगर्मी बढ़ी

विदर्भ स्वाभिमान, 3 जून

अमरावती- स्थानीय निकाय सीट से विधान परिषद चुनाव को लेकर सरगर्मियां बढ़ने के साथ ही नतीजा एकतरफा लगने की संभावनाएं जताई जा रही है. कांग्रेस में जहां संभ्रम की स्थिति है, वहीं दूसरी ओर पूर्व मंत्री प्रवीण पोटे पाटील सबसे आगे चलने की चर्चा नगर सेवकों में हैं. भाजपा उनकी जीत के लिए पूरी ताकत झोंक रही है, वहीं पूर्व में उनके कार्यों को ध्यान में रखते हुए मतदाताओं में उनकी मजबूत स्थिति दिखाई दे रही है. हर्षदीप देशमुख का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहने से वे अस्पताल में हैं. लेकिन बाकी उम्मीदवार भी अपनी जीत के लिए प्रयास कर रहे हैं.

यह पूरा व्यापार अमरावती से होता था। अमरावती के गाड़ीवान बैलगाड़ी से मिर्ज़ापुर, यानी उत्तर प्रदेश में गंगा के किनारे जाते थे। इसी तरह व्यापार दक्षिण में हैदराबाद भी जाता था। 1818 तक अमरावती शहर बहुत अमीर था। अंग्रेज़ों ने पूरे भारत पर राज कर लिया था। इस वजह से रियासतों के साथ जो सैनिक थे, वे बेरोजग़ार हो गए। उनमें से कुछ ने सेना में भर्ती होकर लूटपाट का बिज़नेस शुरू कर दिया। यहीं से ठगबाजों और पेंढारी की शुरुआत हुई। ऐसे समूह शहरों को लूट लेते थे।

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

रोजगार गारंटी योजना में भारी गड़बड़ी दूर हो

राज्य तथा केन्द्र सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई जाती हैं. इसमें रोजगार गारंटी योजना भी गरीबों को काम उपलब्ध कराने वाली योजना है. लेकिन भ्रष्टाचार रूपी दीमक इस योजना को निगलने के लिए तैयार है. प्रशासन की उदासीनता तथा लापरवाही कहें अथवा स्वार्थी वृत्ति के कारण यह योजना विवादों में फंसी रहती है. आदिवासियों द्वारा मेहनत करने के बाद भी योजना का लाभ नहीं मिलता है. कई मरे हुए लोगों को भी काम पर बताते हुए उनके नाम पर बड़ा भ्रष्टाचार का आरोप समय-समय पर लगता रहा है.

गरीब मजदूरों के लिए सरकार द्वारा रोजगार गारंटी योजना शुरू की गई है लेकिन दुर्भाग्यवश इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार ने जहां मजदूरों का हक छीना है, वहीं दूसरी ओर गहराई से जांच की जाए तो इसमें करोड़ों रूपए का भ्रष्टाचार होने से इंकार नहीं किया जा सकता है. ग्रामीण विकास और किसानों की सुविधा के उद्देश्य से शुरू की गई रोजगार गारंटी योजना तथा मातोश्री पगडंडी सड़क योजना आज मोर्शी विधानसभा क्षेत्र में गंभीर सवालों के घेरे में हैं. फर्जी मस्टर, अधूरे कार्य, निधि के कथित दुरूपयोग और अब ग्राम रोजगार सहायकों के यूजर आईडी एवं पासवर्ड के संभावित दुरूपयोग जैसी शिकायतों ने योजना की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है.यदि वास्तव में हजारों मजदूरों के नाम पर फर्जी हाजिरी दर्ज की गई है, तो यह केवल आर्थिक अनियमितता नहीं, बल्कि उन श्रमिकों के अधिकारों और सरकारी योजनाओं की मूल भावना के साथ भी खिलवाड़ है. इससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों के प्रति लोगों का विश्वास कमजोर होता है और सरकारी धन के सदुपयोग पर संदेह पैदा होता है.इस मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि निष्पक्ष जांच की मांग पर भी विवाद खड़ा हो रहा है. किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जांच से डरने के बजाय उसका स्वागत होना चाहिए. यदि आरोप निराधार हैं तो जांच से संबंधित पक्षों की छवि और मजबूत होगी, और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई संभव होगी.

प्रशासन द्वारा शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश देना सकारात्मक कदम है. ग्राम रोजगार सहायकों को पासवर्ड बदलने के निर्देश और यूजर आईडी के दुरूपयोग की स्थिति में आपराधिक कार्रवाई की चेतावनी यह दर्शाती है कि प्रशासन मामले को हल्के में नहीं ले रहा है. लेकिन केवल जांच के आदेश पर्याप्त नहीं होंगे. आवश्यक है कि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी हो तथा उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए.रोजगार गारंटी योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी है. ऐसी योजनाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता पूरे तंत्र की साख को प्रभावित करती है. इसलिए यह समय आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि सच्चाई सामने लाने का है. मोर्शी और वरूड के किसानों, मजदूरों और नागरिकों को यह जानने का अधिकार है कि सरकारी धन का उपयोग वास्तव में विकास कार्यों पर हुआ या नहीं.अब सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट पर हैं. उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रशासन तथ्यों के आधार पर निर्णय लेकर दोषियों को दंडित करेगा और निर्दोषों को न्याय दिलाएगा. यही पारदर्शिता और जवाबदेही लोकतंत्र तथा सुशासन की असली पहचान है. रोगायो में जारी भ्रष्टाचार की गहराई से जांच करते हुए दोषी रोजगार सेवकों तथा उन्हें पनाह देने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए.

घुमंतुओं के सामने लाचार प्रशासन

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

समुचित नेतृत्व के अभाव में कोई शहर किस तरह बदहाल हो सकता है, इसका अनुभव अमरावती शहर से लिया जा सकता है. विकास जहां ठप है, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक अहंकार के कारण सुविधाओं को बढ़ाने का सिलसिला तो कई साल से खत्म हो गया है. न नई रेलवे गाड़ी, न हवाई अड्डे के विकास के अलावा अतिरिक्त सेवा,शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय मंजूर होने के बाद भी सदा विवादों में रखने का प्रयास ऐसे कई विषय हैं जो सचमुच जिलेके नेतृत्व के लिए चिंताजनक कहना गलत नहीं होगा. 250 घुमंतुओं के सामने मनपा प्रशासन, पुलिस प्रशासन जिस तरह से लाचार दिखाई दे रहा है, वह तो हालिया स्थिति है. यह बताने के लिए काफी है कि यह लोग अपनी मर्जी के मालिक हैं. मनपा-पुलिस और घुमंतुओं के बीच सांप-छछूंदर का खेल वैसे तो कई वर्षों से चल रहा है. लेकिन इस बार शहरवासी यह देखकर हैरत में हैं कि झुंड में रहने वाले 250 घुमंतू किस तरह प्रशासन की नाक में दम कर रहे हैं.

संभागीय मुख्यालय शहर कभी कितना बदहाल हो सकता है, जहां न ढंग की यातायात व्यवस्था, न अतिक्रमणारियों के ऊपर किसी का अंकुश, न वाहन चालकों पर ही किसी का डर, जिसकी जहां मर्जी हो वाहन खड़ा कर सकता है, बीच चौराहे भी अतिक्रमणकारी की गाड़ी लग सकती है और मनपा प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई जाती है. अतिक्रमणकारी जब छाती ठोंक कर यह बताते हैं कि अतिक्रमण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उनसे हप्ता लेते हैं तो वह किस मुंह से कार्रवाई क़रेंगे, यह भी तो विचारणीय प्रश्न है.

नागपुर में आज यातायात नियमों का भंग करने की हिम्मत कोई नहीं करता है. लेकिन अमरावती के हार्ट स्थल राजकमल चौक पर सुबह सिग्नल शुरू होने से लेकर रात में बंद होने से सैकड़ों खुलेआम और यातायात पुलिस की नजरों के सामने यातायात नियमों को धता बताते हुए चल देते हैं लेकिन प्रशासन पर किसी का भी दवाब नहीं है. ऐसे में कोई बड़ा हादसा होता है तो दो-चार दिन जांच की औपचारिकता के बाद सब कुछ सेम हो जाता है.महानगर पालिका मुख्यालय के सामने अगर यह स्थिति है तो बाकी शहर की क्या स्थिति होगी, इसका सहजता से अंदाजा लगाया जा सकता है. वाहन पार्किंग के साथ ही जहां कुछ गाड़ियों की पार्किंग अनुमति है, वहां बड़ी संख्या में पार्किंग की जाती है, इसके लिए जितने नियम का भंग करने वाले दोषी हैं, उससे कई गुना अधिक जिन पर यह जिम्मेदारी है, वे दोषी हैं.शहर भगवान भरोसे रहने का अनुभव लोग कर रहे हैं. कोई तो अव्यवस्था के मामले में नेतृत्व की दमदारी का अनुभव कराए और स्थितियों में बदलाव के लिए प्रयास करे, यही चाहत शहरवासियों की है.

सेवा को परमो धर्म मानने वाले प्रमोदभाऊ

विदर्भ स्वाभिमान

जीवन में व्यक्ति के स्वभाव, उसके नेक काम का परिणाम सदा रहता है. हम अच्छी सोच के साथ जब सामाजिक स्तर पर कुछ अच्छा करने का प्रयास करते हैं तो निश्चित तौर पर उसका संतोष स्पष्ट रूप से दिखाई देता है. इसी तरह के सेवाभावी व्यक्तित्व के रूप में प्रमोदभाऊ बगत्रे का उल्लेख किया जा सकता है. 17 जून को उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और सेवा का सिलसिला सदा चलता रहे, हम यही कामना करते हैं. प्रमोदभाऊ का काम किसी एक क्षेत्र नहीं बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में है. सामाजिकता के साथ ही मानवता की सेवा को ईश्वर सेवा मानने के साथ ही यथासंभव नेक कामों में अग्रणी रहते हैं.

विभिन्न क्षेत्रों में कामयाबी के साथ वे उम्दा व्यक्तित्व हैं, जो किसी की भी मदद के लिए सदैव तैयार रहते हैं. अमरावती शहर में राजकीय, सामाजिक, धार्मिक जैसे कार्यों के माध्यम से अपना स्थान बनानेवाले प्रमोद बगत्रे (जैन) हरदिल अजीज तथा प्रभावी व्यक्तित्व के धनी, समाजसेवी है. अनगणित संगठनों में सदा सक्रीय रहनेवाले भाई मुनिभक्त है.उनके जन्मदिन निमित्त अनेक दिगम्बर जैन संस्था की ओर से श्री पुलक चेतना मंच, श्री भगवान महावीर बहुउद्देशीय समिती, श्री दिगम्बर जैन महासमिती, परिवार की ओर से शुभकामनाएँ.अमरावती रोटरॅक्ट क्लब, रोटरी क्लब ऑफ अमरावती मिडटाऊन में अनेक वर्षों तक वे सहभागी थे. श्री दिगम्बर जैन महासमिती के महाराष्ट्र प्रांत के उपाध्यक्ष, पुलक जन चेतना मंच के परम संरक्ष, अमरावती शहर कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारी भी है. भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के आयोजक की भुमिका सबको साथ लेकर निभाने की भूमिका हमेशा रखते है. निलकंठ मंडल के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में बेहतरीन कार्य करते हैं. मानवता सेवा के कामों में वे सदा आगे रहते हैं. मानवता की सेवा के साथ ही जीव दया और हर जीव को खुशी से जीने के अधिकार के वे पैरोकार हैं. सामाजिक पशुप्रेम, मानवता के कार्य को अंजाम देते हुये पशुपक्षी के लिये दानपात्र, जलकुंडी का वितरण हर साल ग्रीष्मकाल में अपनी संस्था के माध्यम से सभी मित्र के साथ वितरण करके अंजाम देते हुये उनका सदैव समाज का प्रबोधन करने का प्रयास रहता है. चाहे अमरावती शहर में वृध्दाश्रम, अनाथाश्रम में स्नेहभोज, वृक्षारोपण, नेत्रदान शिबिर लेकर गरीब तथा जरूरतमंदों की मदद का भाव रखते हैं. पुलक जनचेतना मंच व दिगम्बर जैन महासमिती के माध्यम से प्राकृतिक आपदा से पीड़ितों की सेवा के साथ ही पर्यावरण संतुलन में भी योगदान देने तत्पर रहते हैं. श्री पुलक सागरजी महाराज, श्री प्रतीक सागरजी महाराजजी के प्रवचन आयोजन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था. भातकुली के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन संस्थान मंदिर में वार्षिक रथयात्रा में अमरावती शहर या जिला समस्त दिगम्बर जैन समाज द्वारा चातुर्मास, पर्युषण पर्व, अनेक पुजा विधान हो सबमें अपने मित्रों के कार्य में उनके साथ मिलकर सहयोग देते है.वह भक्तामर हिलिंग एन्ड रिसर्च फाऊंडेशन में भी सहयोग प्रदान करते है. श्री दिगम्बर जैन महासमिति की ओर से व्यक्तित्व गुणगौरव से सम्मानित भी किया गया है. उन्होंने चाहे राजकीय पार्टी हो, धार्मिक कार्य हो, समाजिक कार्य हो अपने सभी मित्र परिवार को एक निषठ उनके साथ रहकर निःस्वार्थ सेवा देकर अपने मित्रों को जोडकर रखने में कामयाबी मिली हो. विनम्र, मिलनसार, सेवाभावी कामों में अग्रणी प्रमोदभाऊ बगत्रे को जन्मदिन की शुभकामनाएं. ईश्वर उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी करें, वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

सुभाषचंद्र जे. दुबे,संपादक
विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती
मो. 9423426199

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

माजरवाड़ी गांव में 50 से 500 वर्षों के दीर्घकालीन प्रकृति संरक्षण का अभिनव संकल्प

विशेष संवाददाता,17 जून

मुंबई-महाराष्ट्र के पुणे जिले के जुन्नर तालुका अंतर्गत नारायणगांव क्षेत्र के माजरवाड़ी गांव में प्रकृति संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन हेतु 50, 150, 250 और 500 वर्षों की दीर्घकालीन दृष्टि पर आधारित एक अनूठी पहल शुरू की गई है.

यह संकल्प सुशिलादेवी सोशल वेल्फेयर फाउंडेशन के मार्गदर्शन में तथा फाउंडेशन के प्रतिनिधि श्री संतोष जाधव के नेतृत्व में ग्राम पंचायत और समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से साकार किया जा रहा है.इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, संवर्धन और भावी पीढ़ियों के लिए शाश्वत प्राकृतिक विरासत का निर्माण करना है. परियोजना के अंतर्गत ऐसे वृक्षों और जैव विविधता का विकास किया जाएगा, जो आने वाले एक से पांच शतकों तक पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे.

फाउंडेशन के अनुसार, विकसित भारत, आधुनिक प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई आधारित कृषि और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलने की यह पहल भविष्य की पीढ़ियों को प्राकृतिक संसाधनों की एक मजबूत और सुरक्षित श्रृंखला उपलब्ध कराने का प्रयास है.यह केवल वृक्षारोपण कार्यक्रम नहीं, बल्कि दीर्घकालीन पर्यावरणीय नीति और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक आदर्श मॉडल है.

इस योजना के माध्यम से हेरिटेज वृक्ष संवर्धन को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे गिलहरी, तितली, मधुमक्खी, गौरैया, नेवला, कौआ तथा अन्य पशु-पक्षियों को सुरक्षित प्राकृतिक आवास उपलब्ध होंगे.साथ ही क्षेत्र की जैव विविधता, पर्यावरणीय संतुलन और जलवायु अनुकूलन क्षमता में भी वृद्धि होगी.

ग्रामीणों का मानना है कि यदि इस मॉडल को महाराष्ट्र के अन्य गांवों और शहरों में भी अपनाया जाए, तो प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए एक सशक्त और स्थायी श्रृंखला विकसित की जा सकती है.

भविष्य में माजरवाड़ी गांव का नाम पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक विरासत संवर्धन के क्षेत्र में अग्रणी गांवों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होने की संभावना व्यक्त की जा रही है. इस आशय की जानकारी परियोजना के प्रमुख समन्वयकः संतोष जाधव मोबाइल नंबर 91 90044 38668 ने दी है. उनके मुताबिक पर्यावरण संतुलन सभी की जिम्मेदारी है. समय रहते अगर हमने यह मान लिया और संतुलन में सहयोग देने की मानसिकता रखी तो निश्चित तौर पर मानवता के लिए बेहतरीन रहेगा. इस प्रयास की राज्यस्तर पर सराहना की जा रही है. पर्यावरण संतुलन के प्रभावित होने के कारण ग्लोबल वार्मिंग जैसी कई समस्याएं पैदा हो रही हैं. पर्यावरण संतुलन के इस कार्य में संतोष जाधव का प्रमुख स्थान रहा है. भारत के सभी गांवों में पौधारोपण का अभियान चलना चाहिए और इसमें हर व्यक्ति का योगदान मिलना चाहिए. सभी का साथ इसमें चाहिए.

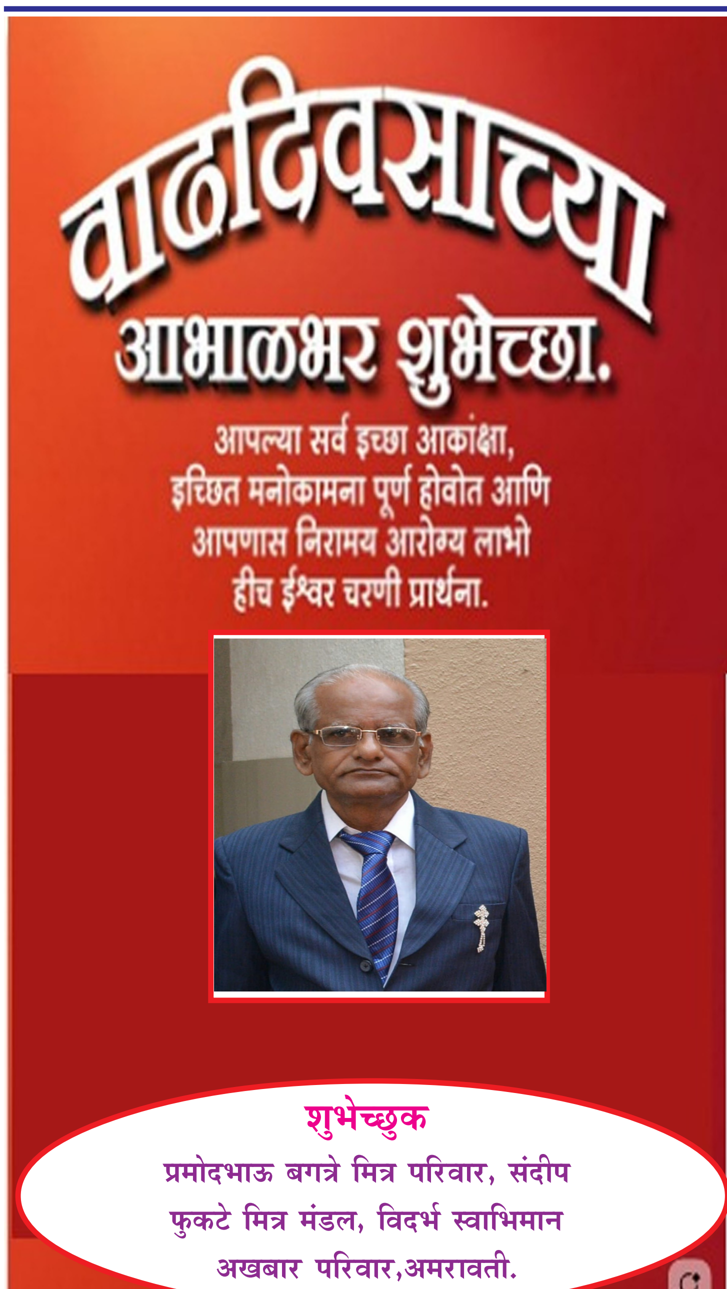

गुरूवार 18 से 24 जून 2025

मेष- यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है. विवाद से बचना ही श्रेयस्कर होगा.

वृषभ-शांति के साथ स्थितियों को हल करने का प्रयास आपके लिए हितकारी रह सकता है. वर्ना बड़ा नुकसान होने की आशंका है. संभलकर बोलें.वाहन धीरे से चलाएं.थोड़ी मेहनत भी लाभ दिला सकती है.

मिथुन-अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.

तुला-नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-आपकी इच्छाएं पूरी होने वाली हैं. वाहन चलाते समय सतर्कता और सावधानी बरतना श्रेयस्कर रहेगा. घर में खुशी का माहौल रहेगा.

मीन-दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.इस समय छोटी कोशिश सफलता देगी.

हरि सिरि के बारे में सोचकर चिंता करना

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

ग़तांक से जारी- 'सुनी हे पद्मज! अब लक्ष्मी कोल्हापुर में है. उसके आने के पहले मेरा इस रूप में अभ्यांगन स्नान के लिए जाना ठीक है क्या? इस कारण ये कार्य इस रूप में हुआ है. सिरि रूठ कर चली गयी. अब प्रीति से उस के आने के पहले विवाह करना मेरे लिए अच्छा नहीं है.' इस रूप में लक्ष्मी के बारे में सोचते-सोचते हरि के रोदन को देखकर ब्रह्मादि भयभीत हो गए. जवाब देने में असमर्थ होकर देखते रहने से रुद्र ने इस विचित्र को देखकर कहा. 'हे इंदिरेश ! शुभ काल में इस रूप में चिंता करना उचित नहीं है. अगर तुम चाहते हो तो लक्ष्मी को यहाँ पर बुलाओ. उसे छोड़कर अभ्यांगन स्नान के समय इस रूप में रोदन करते तुमको कोई रोकने की शक्ति नहीं रखता. हे हरि ! मन के खेद को दबाकर इसी शुभ मुहूर्त में ही पीढ़े पर बैठ जाओ.' इस रूप में रुद्र ने उसी शुभ मुहूर्त में हरि को अभ्यांगन स्नान करने के लिए सावधान किया. तब रुद्र को देखकर हरि ने कहा. 'हे शंकर ! बाल भाषा में बोलना बंद करो. जिन के दुःख हैं वे ही उनके बारे में जानते हैं. दूसरों को मालूम नहीं होता है. ब्रह्म प्रलय के समय वट पत्र पर शयन करते समय भी नित्य अनुपाइनी के रूप में सदा मेरे हदय पर रहनेवाली लक्ष्मी काल गति से मुझ से अलग हुई है. इतने दिनों से मैं अकेला जी रहा हूँ. उस समय मेरे मन में कोई चिंता नहीं थी. अब मेरे मन में विवाह की इच्छा हुई तो सब आ गए. सिर्फ एक लक्ष्मी की ही कमी है. इसलिए मुझे खेद है. लक्ष्मी के आने के पहले विवाह करना ठीक नहीं है, ऐसा कोई मेरा आप्त कहेगा, इसकी प्रतीक्षा में कर रहा था. किंतु किसी ने ऐसा नहीं कहा. इसलिए भी मुझे दुःख हो रहा है.' हरि की इन बातों को सुनकर ब्रम्हादि को भय हुआ. सब ने मुकलित हस्त होकर हरि के सामने खड़े होकर इस रूप में कहा.अगर रमा आ जायेगी तो वे विवाह होने नहीं देंगी. ऐसा सोचकर लक्ष्मी को बुलाने की बात हमने आपसे नहीं कही. हमसे अपचार हुआ है. उस सागर कन्या के न आने से विवाह नहीं करना है. ऐसा आपको लगना अच्छा ही है. हे पिता! यह हमारे लिए भी अच्छा है.'

कोल्हापूर वासिनी लक्ष्मी को सूर्य भगवान द्वारा ले कर आना

'लक्ष्मी को कम-से-कम अब तो यहाँ पर बुला लाइए. यह सबक लिए स्वीकार्य है.' इस रूप में कहने पर हरि ने प्रसन्न होकर कहा. है सरसिज मित्र सूर्य! लक्ष्मी को शीघ्र ही इस शेषाद्रि पर बुला लाओ.' हरि की इन बातों को सुनकर दिवाकर ने हरि को नमस्कार करके इस रूप में कहा. 'हे हरि! करवीर पुर (कोल्हापुर) में रहनेवाली लक्ष्मी के पास जाकर उनसे क्या कहना है? उसके बारे में मुझे बताइए.' सूर्य की इन बातों को सुन कर हरि ने हँस कर 'हे जलाप्त ! सुनो. हमारी सागर कन्या को नमस्कार करके 'हरि वेंकटाद्रि पर दुबक कर अशक्त हो गए हैं. तुम्हें देखना चाहते हैं. सुनते ही वह रमा अवश्य यहाँ पर आयेगी.' कहते हरि के भेजने पर सूर्य भगवान निकल पड़े. कोल्हापुर पहुँचकर दिवाकर ने लक्ष्मी को नमस्कार करके इस रूप में कहा. 'हे सिंधु पुत्री ! चक्री अब अशक्त होकर दीन बनकर शेषाद्रि पर स्थित हैं. उन्हे

हे माँ! उन्होंने शीघ्र ही आपको देखने की इच्छा प्रकट की है.' इस रूप में सूर्य भगवान के कहने पर तुरंत चिंतित होकर लक्ष्मी शीघ्र ही रथ पर आरूढ़ होकर आकाश मार्ग में प्रेम से शेषाद्रि पहुँच गयी. तब सिरि अवश्य आयेगी, ऐसा विश्वास रखनेवाले ब्रम्हादि देवताओं ने अपने-अपने दायित्व को पूरा करते हुए लक्ष्मी की अगवानी की. श्री लक्ष्मी को देख कर सुरुचिर भक्ति से नमस्कार करके उन्हें बुला लाये. तब पार्वती, भारती आदि प्रमुख देवता भी पहुंचे.

शेष अगले अंक में

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान

करोड़पति दिमाग : स्वस्थ मस्तिष्क ही सबसे बड़ी पूंजी-डॉ. सिकंदर अडवानी

विदर्भ स्वाभिमान, 17 जून

अमरावती- श्री माहेश्वरी नवयवक मंडल, अमरावती द्वारा आयोजित प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान 'करोड़पति दिमाग में प्रसिद्ध न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सिकंदर अडवानी ने उपस्थित समाजबंधुओं को मस्तिष्क स्वास्थ्य एवं उसके महत्व पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया.कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. सिकंदर अडवानी का स्वागत समाज के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित सदस्यों द्वारा पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया. स्वागतकर्ताओं में एडवोकेट रतनलाल अटल, कमलकिशोर मालानी तथा माहेश्वरी नवयवक मंडल के माजी अध्यक्ष वैभव लोहिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहे.

अपने उद्बोधन में डॉ. अडवानी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की सबसे मूल्यवान संपत्ति उसका मस्तिष्क है, क्योंकि जीवनभर अर्जित की गई सफलता, अनुभव एवं संबंधों का आधार स्वस्थ दिमाग ही होता है. उन्होंने मस्तिष्क को एक 'ब्रेन पासबुक' की संकल्पना से समझाते हुए उसके चार प्रमुख खातों बौद्धिक बचत दैनिक निर्णय क्षमता, गुणवत्तापूर्ण नींद एवं रिश्तों की पूंजी पर विस्तार से प्रकाश डाला.उन्होंने बताया कि निरंतर नई चीजें सीखना, विभिन्न भाषाओं का उपयोग करना, नियमित अध्ययन करना तथा मानसिक चनौतियों को स्वीकार करना मस्तिष्क की क्षमता को बढ़ाता है और बढ़ती उम्र में स्मरण शक्ति को सुरक्षित रखने में सहायक होता है.डॉ. अडवानी ने नींद को मस्तिष्क का 'रात्रिकालीन लेखाकार' बताते हुए कहा कि पर्याप्त एवं गहरी नींद मस्तिष्क की सफाई करने तथा यादों को स्थायी बनाने का कार्य करती है. उन्होंने कहा कि तनाव, अत्यधिक मल्टीटास्किंग एवं नींद की कमी निर्णय क्षमता को प्रभावित करती है.

कार्यक्रम में रिश्तों एवं सामाजिक जुड़ाव के महत्व पर भी विशेष जोर दिया गया. उन्होंने बताया कि मजबूत पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध न केवल मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि दीर्घायु एवं सुखी जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं.

व्याख्यान के दौरान विभिन्न रोचक प्रयोगों एवं उदाहरणों के माध्यम से उपस्थितजनों को स्मरण शक्ति, एकाग्रता तथा मास्तिष्क की कार्यप्रणाली का अनुभव कराया गया. अंत में सभी ने स्वस्थ मस्तिष्क के लिए प्रतिदिन पर्याप्त नींद लेने, नियमित रूप से नई बातें सीखने तथा परिवार एवं मित्रों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने का संकल्प लिया.कार्यक्रम ने उपस्थित सभी समाजबंधुओं को यह संदेश दिया कि वास्तविक 'करोड़पति' वही है, जिसका मस्तिष्क जीवन के अंतिम क्षण तक स्वस्थ, सक्रिय एवं स्मरणशक्ति से परिपूर्ण बना रहे.इस अवसर पर डॉ. सिकंदर अडवानी का सम्मान स्वरूप 'स्मृति चिन्ह' डॉ. कल्पना राठी, प्रो. सीताराम राठी एवं निमिषा साबू के करकमलों से भेंट किया गया.कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य सदस्य, वरिष्ठजन, युवा उद्यमी एवं महिला सहभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की. बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की.कार्यक्रम का मंच संचालन सीए कलश लड्डा एवं व्यंकटेश हेड़ा द्वारा किया गया. इस अवसर पर आगामी सामाजिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रमों की जानकारी जय करवा ने उपस्थित समाजबंधुओं को प्रदान की.समापन अवसर पर माहेश्वरी नवयवक मंडल के सचिव खुशाल राठी ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं उपस्थित समाजबंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया.कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य सदस्य एवं युवा उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई. भूतपूर्व अध्यक्ष वैभव लोहिया एवं गिरिराज कोठारी विशेष रूप से उपस्थित थे. उपस्थित प्रमुख प्रतिभागियों में सीए पूर्वेश राठी, दर्शन राठी, हर्षित राठी, सुबोध राठी, दीपक राठी, गोकुल एच. तलाड़िया, कमलकिशोर मालाणी मनीष एम. सोमानी, अनुपम आर. मंत्री, अमोघ एस. भतड़ा, सागर एन. भतड़ा, सुदर्शन झंवर, नंदकिशोर चांडक, आयुष करवा, पंकज डागा, राहुल राठी, पराग लाखोटिया, पराग लड्डा, ईश्वर पनपालिया, दिलीप राठी, नीरज साबू, संजय लड्डा, सीए जयू, पी.आर. लड्डा, एन.टी. राठी, ओ.एच. राठी, राजेंद्र जाजू, राजेंद्र मंत्री, गोपाल चांडक, जीवन मुंधड़ा, राजीव मोहता, राधेश्याम राठी, शिवरतन हेड़ा, पुरुषोत्तम राठी, निकुंज मुंधड़ा, आयुष राठी, डॉ. राजेश बूब, डॉ. श्यामसुंदर सोमानी, विधान एम. लड्डा, विजय राठी, इंजी. अविनाश ठाकरे, आर.बी. अटल (एडवोकेट), संदीप अजमिरे, डॉ. दीपक नांदलाल, अनिल करवा, मधुसूदन डागा, संदीप कलंत्री, प्रवीण चांडक, सीए गणेश अटल, सीए दीपक झंवर, अमित झंवर, एडवोकेट अमित हरकुट, यश जाजू, प्रो. सीताराम राठी, डॉ. चंद्रकांत राठी, डॉ. कौस्तुभ सारडा ,डॉ. कल्पना राठी , अनिल जाजू, विजय मुंधड़ा, प्रतीक गिल्डा, धीरज बियाणी, अमित जानोद, पवन जाजू, किशोर धनजीभाई कृष्णाथट, प्रणव मुंधड़ा एवं अक्षय पी. डागा सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित थे.

महिला सहभागियों में निमिषा साबू, शीला भंसाली, स्मिता गट्टानी, नैशा साबू, हेमा सारडा, भूमि सारडा, संगीता एस. राठी, रेखा राधेश्याम राठी, शीतल एम. हेड़ा, प्राची सोनी, अनष्री मुंधड़ा तथा स्वप्निल सोनी की विशेष उपस्थिति रही.

विदर्भ स्वाभिमान

संवाददाता चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में राष्ट्र धर्म और मानव धर्म को समर्पित होकर पत्रकारिता में सकारात्मकता को बढ़ाने का प्रयास करने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मध्य प्रदेश के विभिन्न बड़े महानगरों में संवाददाताओं की नियुक्ती करनी है. सामाजिक, धार्मिक कार्य में उत्साह रखने वाले युवक संपर्क करें. अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8208407139

www.vidarbhswabhiman.com

सैकड़ों पत्रकारों ने स्वास्थ्य जांच करवाई

महाराष्ट्र होमियो डॉक्टर्स एसोसिएशन की अभिनंदनीय पहल

अध्यक्ष डॉ.स्वाती लबड़े पडोले,डॉ. वैशाली टेंबे के प्रयास ने रंग लाया

विदर्भ स्वाभिमान, 17 जून

अमरावती- कहते हैं कि अगर कुछ अच्छा करने की चाहत हो तो राहें आसान हो जाती हैं. इसी बात को साबित किया महाराष्ट्र होमियो डॉक्टर्स एसोसिएशन की जनसंपर्क अधिकारी डॉ.वैशाली टेंब्ये ने. संगठन की अध्यक्षा डॉ.स्वाती लबड़े पडोले के मार्गदर्शन में और अमरावती जिला मराठी पत्रकार संघ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर लिया गया. जिला ग्रामीण मराठी पत्रकार भवन में हुए शिविर का बड़ी संख्या में पत्रकारों ने लाभ लिया. इसके लिए दोनों ही महिलाओं की सराहना सभी पत्रकारों ने की.

कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन एवं डॉ. सैमअल हैनिमैन तथा आचार्य बालशास्त्री जांभेकर के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया. इस अवसर पर एमएचडीए की अध्यक्षा डॉ. स्वाती लबडे-पडोले, सचिव डॉ. नंदकिशोर भूतड़ा, ह्रदय रोग विशेषज्ञ डॉ. निलेश चांडक, पत्रकार संघ के पदाधिकारी तथा अनेक चिकित्सक उपस्थित थे.

शिविर में पत्रकारों की स्वास्थ्य जांच, वजन, रक्तचाप, शुगर तथा एचबीए1 सी परीक्षण किए गए. ह्रदय रोग विशेषज्ञ डॉ. निलेश चांडक ने ह्रदय रोग और स्वस्थ जीवनशैली पर मार्गदर्शन दिया. डॉ. चांडक तथा सहयोगियों द्वारा गहराई से जांच की गई. शिविर के आयोजन में महाराष्ट्र होमियो डाक्टर्स एसो. की अध्यक्षा डॉ. स्वाती लबडे-पडोले,सहयोगियों के साथ पीआरओ डॉ.वैशाली टेंबे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

इस अवसर पर पत्रकार संघ के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल तथा डॉ. निलेश चांडक का शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया. बड़ी संख्या में पत्रकारों एवं मीडिया प्रतिनिधियों ने शिविर का लाभ उठाया. कार्यक्रम के सफल आयोजन में एमएचडीए के पदाधिकारियों, चिकित्सकों तथा आईपीसीए कंपनी के प्रतिनिधियों का विशेष सहयोग रहा. आभार प्रदर्शन त्रिदीप वानखड़े ने किया. मौके पर डॉ. विपुल भट्टड, सहसचिव डॉ. जयंत भोसले, डॉ. गुणवंत डहाणे, डॉ. राधेश्याम मालनी, डॉ. राजीव रोडे, डॉ. प्रताप ठोके, डॉ. अनिल खेरडे,डॉ. वाठोडकर, डॉ. राजकुमार जयस्वाल, डॉ. सुभाष कासट, डॉ. नईम, डॉ. हमीद अली, डॉ. संदीप बुटे, डॉ. अभिजित रंगे, डॉ. प्रिया मोहोड, डॉ. शीतल चौधरी, डॉ. मीनल, डॉ. राणी चौधरी, डॉ. पल्लवी चौधरी, डॉ. प्रांजली जोशी, डॉ. मधुरा कहाले के अलावा विवेक दोडके, विजय ओढे, नयन मोंढे, संजय बनारसे, अनुप गाडगे, अरुण जोशी, हकूमीचंद खंडेलवाल सहित अन्य उपस्थित थे.समाज के हर तबके के लिए प्रयासरत पत्रकारों के स्वास्थ्य जांच की पहल दैनिक भास्कर के ब्यूरो चीफ त्रिदीप वानखडे ने किया था जिसे जिला मराठी पत्रकार संघ के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल तथा सभी का सहयोग मिला. इसकी सराहना हो रही.

सेवा,लगन,संघर्ष के त्रिवेणी संगम हैं अविनाश सोनटक्के

ज़न्मदिन विशेष, सामाजिक,धार्मिक,राजनीतिक कामों में रहते हैं सदा अग्रणी

कुछ लोगों की सोच सदा उम्दा होती है. वे स्वयं मेहनत,लगन और समर्पण के माध्यम से समाज के समक्ष आदर्श स्थापित करत हैं. पहले करते हैं फिर बोलते हैं. ऐसे ही लोगों में युवा व्यवसायी,भाजपा पदाधिकारी तथा सामाजिक,धार्मिक,सेवाभावी गतिविधियों में सक्रिय अविनाश सोनटक्के है. सादगी, अपनापन जहां उनकी खूबी है, वहीं दूसरी ओर कमजोर को मदद तथा मार्गदर्शन का सदा भाव रखते हैं. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं.

मेडिकल व्यवसायी के साथ ही सामाजिक, धार्मिक और सेवाभावी कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले व्यक्ति के रूप में अविनाश सोनटक्के बहुगुणी व्यक्तित्व हैं. व्यवसाय में कामयाबी के साथ ही आदर्श पति, पुत्र के साथ ही सभी रिश्तों को निभाने वाले व्यक्ति हैं. उनके मुताबिक राष्ट्रधर्म और मानव धर्म पर जिस दिन हर इंसान चलेगा, दुनिया स्वर्ग बन जाएगी. बोलने में कम करने में वे अधिक विश्वास रखते हैं.

अर्चना मेडिकल के साथ ही कृष्णा फार्मासी के संचालक, यारों के दिलदार यार,यथासंभव मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहने वाले अविनाश सोनटक्के जितने बेहतरीन युवा व्यवसायी हैं, उतने ही बेहतरीन मित्र और सामाजिक कामों में अग्रणी व्यक्तित्व हैं. राष्ट्रीयता की भावना से वे ओतप्रोत हैं. उनका मानना है कि राष्ट्र सबसे पहले हर भारतीय के लिए होना चाहिए. देश है तो हम हैं, यह भाव सभी में होना ही चाहिए. जो यह भाव नहीं रखते हैं, निश्चित ही उनके बारे में सोचने का प्रयास होना चाहिए. निर्व्यसनी युवा पीढ़ी भारत

की सबसे बड़ी ताकत है. भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा फौज है. अगर इसका सही उपयोग हो तो भारत को अमेरिका को पछाडने में भी समय नहीं लगेगा. आज भारत विश्व में सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभर रहा है.

बचपन से मेधावी छात्र के रूप में जहां सुख्यात रहे, वहीं दूसरी ओर उन्होंने स्वयं के अथक प्रयासों से आज कामयाबी की बुलंदी हासिल की है. इसके लिए माता-पिता के आशिर्वाद को महत्व देते हैं. केमिस्ट और ड्रगिस्ट के साथ ही भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी के रूप में जहां सेवारत हैं, वहीं धार्मिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं.क्षेत्र में शिव महापुराण कथा के साथ ही अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी लेते हैं.

शहर के प्रतिष्ठित नागरिक, सेवाभावी कामों में अग्रणी व्यक्ति के रूप में उनकी पहचान है. उनका 19 जून को जन्मदिन है. जीवन में सदैव अच्छी सोच के साथ काम करना उनकी जहां खूबी है, वहीं दूसरी ओर किसी भी अच्छे काम के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. उनके इसी स्वभाव के कारण हजारों मित्र परिवार उन्होंने बनाया है. भाजपा के राष्ट्रीयता और राष्ट्रप्रेमी विचारों से ओतप्रोत रहने वाले अविनाश सोनटक्के के मुताबिक आज यह सबसे अधिक जरूरी है. व्यवसाय के साथ ही सामाजिक उपक्रम लेने में भी वे आगे रहते हैं. यही कारण है कि गरीबों, जरूरतमंदों की सेवा के साथ ही सदैव सामाजिक कामों में जहां व्यस्त रहते हैं, वहीं परिवार में आदर्श पिता, पति के साथ ही सभी रिश्तों में समर्पित व्यक्ति के रूप में पहचाने जाते हैं.पत्नी का साथ, परिवार का प्रेम ही कामयाबी का मंत्र मानते हैं. उन्हें 19 जून को जन्मदिन पर करोड़ों हार्दिक शुभकामनाएं.अंत में

संघर्ष की राहों पर जो चलते जाते हैं,वही इतिहास में अपना नाम लिखाते हैं।

ऐसे कर्मठ युवा नेता को जन्मदिन पर प्रणाम,आपका भविष्य हो उज्ज्वल, बढ़े देश और समाज का मान।

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

हजारों ने दी डॉ. रत्नपारखी को शुभकामनाएं,माना आभार

विदर्भ स्वाभिमान,17 जून

अमरावती- पूर्व पार्षद और सेवाभावी कामों में सदा अग्रणी रहने वाले समाजसेवी डॉ. सुभाष रत्नपारखी को उनके जन्मदिन 10 जून को सुबह से लेकर रात तक असंख्य लोगों ने शुभकामनाएं दी.सभी के प्रेम के लिए उन्हों ने दिल से धन्यवाद देते हुए कहा कि लोगों का यही प्रेम उन्हें सदा सेवा करने की प्रेरणा देता है. सभी के प्रेम के लिए कृतज्ञता जताई. संघर्ष से डेंटल सुपर स्पेशालिटी हास्पिटल तक का सफर तय करने वाले डॉ.रत्नपारखी की बेटियां भी जानी-मानी डेंटिस्ट हैं और बेटा भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा है. सुबह से लेकर सोशल मीडिया, फेसबुक के साथ कई लोगों ने अस्पताल पहुंच कर उन्हें जहां शुभकामनाएं दी, वहीं उनके दीर्घायु की कामना की. लोगों के इसी प्रेम को अपनी सबसे बड़ी दौलत बताते हुए डॉ. रत्नपारखी ने सभी के प्रति आभार जताया और भविष्य में भी सदैव यहीप्रेम बरकरार रहने और इसमें

अच्छी सोच और अच्छे कर्म जीवन में सदा आगे बढ़ाते हैं. ज़ीवन में माता-पिता का आशिर्वाद, मित्रों का साथ सबसे यादगार रहा है. जन्मदिन पर सभी की शुभकामनाओं के लिए दिल से आभारी रहूंगा. यही मेरी ताकत है. सभी का प्यार कायम रहने का पूरा विश्वास है.

डॉ. सुभाष रत्नपारखी

वृद्धि होने तथा अपनी ओर से भी सेवाभाव के साथ जितना संभव हो सेवा करने का विश्वास दिलाया. डॉ. रत्नपारखी ने भी लोगों के इसी प्रेम को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताते हुए सभी के प्रति दिल से कृतज्ञता जताई. साथ ही इसी तरह का प्रेम और विश्वास सदैव बरकरार रहने का भरोसा ज़ताया.लोगों के प्रेम को अपना प्रेरणा बताते हुए कहा कि समाजसेवा की सीख उन्हें डॉ. गोविंद कासट, पूर्व विधायक जगदीश गुप्ता,सुदर्शन गांग, संपादक सुभाष दुबे सहित अन्य मान्यवरों ने भी डॉ. रत्नपारखी के कार्यों की सराहना की. पूर्व पार्षद के रूप में जहां उन्होंने विकास काम किया था, वहीं सेवाभावी,धार्मिक, संस्कार को बढ़ावा देने वाले विभिन्न सामाजिक उपक्रमों में भी सदा योगदान देते हैं. जीवन में सब कुछ प्राप्त होने को वे प्रभु की कृपा और माता-पिता का आशिर्वाद मानते हैं. सभी को दिल से धन्यवाद दिया.

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान 75 आजादी का अमृत महोत्सव आचार-विचार वाला अखबार

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.
मो. 9423426199, 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.
मो.9423426199

राज्य की 11 विधान परिषद सीटों के लिए आज मतदान

अमरावती सहित सभी सीटों की तैयारियां पूरी, प्रवीण पोटे पाटील सहित 3 मैदान में,मतदान के लिए जिला प्रशासन की तैयारी पूरी

विदर्भ स्वाभिमान,17 जून

अमरावती- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अमरावती स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र सहित महाराष्ट्र के विधान परषिद की 11 सीटों के लिए गुरूवार 18 जून को मतदान हो रहा है. इसकी पूरी तैयारी हो रही है. अमरावती सीट से पूर्व मंत्री प्रवीण पोटे पाटील, वंचित आघाडी के निलेश विश्वकर्मा, कांग्रेस के हर्षदीप देशमुख मैदान में हैं. संपर्क तथा कांग्रेस के बीच जारी संभ्रम के मद्देनजर प्रवीण पोटे पाटील को दमदार प्रत्याशी माना जा रहा है. चुनाव को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां की गई है. मतदान गुरुवार, 18 जून 2026 को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा. जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और मतदान दलों को पुलिस सुरक्षा के साथ मतदान केंद्रों के लिए रवाना कर दिया गया है. यह जानकारी निर्वाचन निर्णय अधिकारी एवं जिलाधिकारी आशिष येरेकर ने दी. निवासी उपजिलाधिकारी संतोष काकड़े सहायक निर्वाचन निर्णय अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं.इस चुनाव में 3 उम्मीदवार मैदान में हैं और मतदान वरीयता क्रम (प्रेफरेंशियल) पद्धति से होगा. मतदाता उम्मीदवारों की संख्या के अनुसार पसंदीदा क्रम अंकित कर सकेंगे. निर्वाचन क्षेत्र में कुल 451 मतदाता हैं, जिनमें 226 महिला और 225 पुरुष शामिल हैं. जिला परिषद, पंचायत समिति, नगरपालिका, नगर पंचायत और महानगरपालिका के निर्वाचित सदस्य मतदान करेंगे.

मतदान के लिए धारणी, अचलपुर, मोर्शी, दर्यापुर, तिवसा-भातकुली, अमरावती और चांदूर रेलवे सहित कुल 7 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. मतदान प्रक्रिया के संचालन के लिए केंद्राध्यक्ष, मतदान अधिकारी, सूक्ष्म पर्यवेक्षक और कर्मचारियों सहित 42 अधिकारियों-कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है. सभी केंद्रों पर कड़ा पुलिस बंदोबस्त रहेगा.

प्रशासन ने मतदान केंद्रों के 200 मीटर क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए हैं तथा केंद्र के भीतर मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है. संभावित बारिश को देखते हुए मतदाताओं के लिए विशेष छतरियों की व्यवस्था भी की गई है.मतदान समाप्त होने के बाद सभी मतपेटियां कड़ी सुरक्षा के बीच नियोजन भवन, जिलाधिकारी कार्यालय अमरावती के सुरक्षा कक्ष में रखी जाएंगी. 22 जून 2026 को नियोजन भवन में मतगणना होगी. जिला प्रशासन ने सभी मतदाताओं से शांतिपूर्ण और सुचारू मतदान में

श्रीसंत गजानन महाराज विजयग्रंथ महापारायण एवं पादुका दर्शन समारोह 19 को

विधायक रवि राणा के शंकरनगर निवास पर भव्य धार्मिक आयोजन

विदर्भ स्वाभिमान, 17 जून

अमरावती-रवि राणा एवं नवनीत राणा के शंकर नगर स्थित गंगा सावित्री निवास पर 19 जून 2026 को श्री संत गजानन महाराज विजयग्रंथ महापारायण एवं पादुका दर्शन समारोह का भव्य आयोजन किया गया है. आयोजकों ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में उपस्थित होने का आह्वान किया है.इस अवसर पर बुलढाणा जिले के जयपुर (मोताला) स्थित देशमुख परिवार के यहां संरक्षित श्री गजानन महाराज द्वारा उपयोग की गई पवित्र पादुकाओं के दर्शन अमरावती के भक्तों को पहली बार प्राप्त होंगे. कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पुणे की मात्र 11 वर्षीय प्रसिद्ध विजयग्रंथ वाचिका साक्षी सुनील ढगे द्वारा विजयग्रंथ महापारायण का वाचन होगा.कार्यक्रम सुबह 8 बजे महापारायण से शुरू होगा. दोपहर 3:30 बजे से रात 8 बजे तक पादुका दर्शन की व्यवस्था रहेगी तथा इसके बाद

महाप्रसाद वितरित किया जाएगा.आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 17 जून निर्धारित की गई है. श्रद्धालुओं से विजयग्रंथ साथ लाने तथा पूर्व पंजीयन कराने का अनुरोध किया गया है. समारोह का आयोजन गंगाधरराव राणा एवं सावित्री गंगाधरराव राणा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है. आयोजकों को इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति की अपेक्षा है.

शहर ही नहीं तो जिलास्तर के सुख्यात समाजसेवी, सामाजिक कामों में स्वयं को झोंकने वाले,केमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट हम सभी के चहेते तथा मिलनसार स्वभाव के धनी

अविनाश सोटनक्के

को जन्मदिन 19 जून पर हमारी अग्रिम हार्दिक

शुभकामनाएँ.

शुभेच्छुक

सोनटक्के मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती

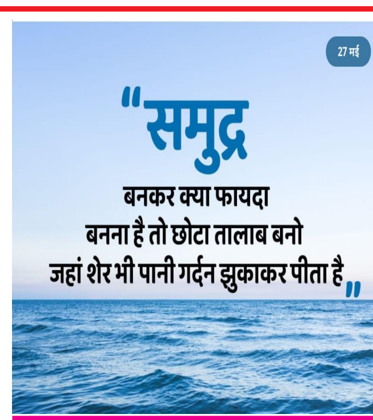

विदर्भ स्वाभिमान

सप्ताह के सात वार के अलावा सबसे बड़ा वार परिवार रहता है. जब सभी एक-दूसरे की भावना समझते हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं तो वह सुखी परिवार और इसके उल्टा सभी जब एक-दूसरे से जलने की भावना रखते हैं तो वह दुःखी परिवार होता है. आप सुखी परिवार बनें.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

मस्तमौला और धार्मिकता से ओतप्रोत व्यक्तित्व के धनी रमेश अडुकिया

स्व.रमेश अडुकियाज़ी को विनम्र आदरांजलि

रमेश अडुकिया अपने मिलनसार, मस्तमौला और सहज स्वभाव के लिए पहचाने जाते हैं. सामाजिक जीवन में सक्रिय रहते हुए उन्होंने हमेशा लोगों से आत्मीय संबंध बनाए रखे हैं. धार्मिक आस्था से ओतप्रोत उनका व्यक्तित्व उन्हें समाज में एक अलग पहचान दिलाता है. विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी सक्रिय सहभागिता रहती थी. अमरावती निवासी तथा राष्ट्रीय स्तर के समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया के मामाजी थे. उनके स्वर्गवास पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए वे बताते हैं कि मामाजी उनके जीवन के भी आदर्श थे. जिन्हों ने जीवन में केवल धनार्जन को कभी उद्देश्य नहीं बनाया. मस्तमौला व्यवसायी के रूप में मुंबई में सुख्यात थे.

सरल जीवन, सकारात्मक सोच और सेवा भाव उनकी विशेषता रही है. जीवन में सादगी में रहने और बच्चों को भी उसी तरह जीवन जीने की सलाह देते थे. वे लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनकर समाज में सौहार्द और सहयोग की भावना को मजबूत करने का कार्य करते थे. धार्मिक मूल्यों के प्रति उनकी निष्ठा तथा हंसमुख स्वभाव के कारण वे सभी वर्गों में लोकप्रिय थे. साड़ी की दुकान का संचालन करने के बाद भी जब इच्छा होती थी तो दुकान बंद कर मस्तमौला जीवन जीने, छोटी-छोटी खुशियां लेने के साथ छोटों को भी अपार प्रेम देते थे. लप्पीभैया बताते हैं कि मामाजी रमेश अडुकिया ने अपने जीवन में केवल धन कमाने को ही लक्ष्य नहीं बनाया, बल्कि सामाजिक सरोकार, मानवीय संवेदनाएं और धार्मिक मूल्यों को भी समान महत्व दिया. व्यवसायिक क्षेत्र में सफलता हासिल करने के साथ-साथ उन्होंने समाजसेवा, धार्मिक आयोजनों और जरूरतमंदों की सहायता में भी सक्रिय भूमिका निभाई.उनका मानना रहा कि जीवन की वास्तविक सफलता केवल आर्थिक समृद्धि में नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन में निहित है.इसी सोच के चलते वे विभिन्न सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों से जुड़े रहे तथा लोगों के बीच अपनी सादगी, उदारता और सेवा भावना के कारण विशेष पहचान बनाई.

सेवाभावी कामों में समर्पित मामाजी को विनम्र आदरांजलि.प्रभु उनकी दिव्य आत्मा को अपने चरणों में स्थान प्रदान करें, यही कामना करते हैं. हमारे जीवन में मामाजी सदैव प्रेरणास्थान बने रहेंगे. ओम शांति.

चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया,अमरावती.

हरविले आहेत

अरुण टाले
उमरेड जि. नागपूर

दि. 25/5/2026 पासून
उमरेड शहरातील बुधवारी पेठ
येथील घरातून न सांगता निघून गेले.
तेव्हापासून आजपर्यंत बेपत्ता आहेत.

सदर व्यक्ती आढळल्यास खालील नंबर वर संपर्क साधावा.

सागर टाले
* संपर्क * +91 8888398914
पत्ता : बुधवारी पेठ, जुना पोस्ट ऑफीसच्या मागे, उमरेड जि. नागपूर

धर्मसेवी,मानव सेवी साफ दिल व्यक्तित्व हैं मनोज चोरे

श्री केसरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था के माध्यम से जारी है अविरत सेवाकार्य,आदिवासियों से लेकर सभी को मदद का रखते हैं भाव, संस्था मानवता सेवा में है अग्रणी

विदर्भ स्वाभिमान
मनोज चोरे,पार्वती नगर

प्रेरणादायी व्यक्तित्व

जीवन में कुछ लोग बोलते कम हैं लेकिन करने का काम ज्यादा करते हैं. पार्वती नगर निवासी और संघर्षों से जूझते हुए आज सेवाभाव, धार्मिक सेवा, समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी श्री केसरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था के अध्यक्ष मनोज चोरे ऐसे ही आदर्श युवा समाजसेवी हैं. बच्चों को संस्कार देने के लिए शिविर से लेकर मेलघाट के आदिवासी गरीबों को कंबल तथा अन्य साहित्य का वितरण कर मदद करत्ते हैं. पार्वती नगर में पहली बार शिवम बापू का शिव महापुराण कथा का भव्य कार्यक्रम लिया और संस्कार चैनल के माध्यम से पार्वती नगर को समूचे देश में पहुंचा दिया. यारों के दिलदार यार के साथ ही मनोज चोरे का स्वभाव इस कदर मिलनसार है कि उनकी मदद करने के लिए कोई भी तत्पर रहता है. सेवाभाव कूट-कूटकर भरा है.

मनोज चोरे के लिए समाज सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति समर्पण का भाव है. इसी भावना को अपने जीवन का उद्देश्य बनाकर कार्य करने वाले मनोज चोरे एक आदर्श युवा सेवी व्यक्तित्व के रूप में पहचाने जाते हैं. पार्वती नगर ही नहीं तो शहर में आज व्यवसाय के साथ ही समाजसेवा के लिए भी पहचाने जाते हैं.उनका जीवन समाज के प्रति समर्पण, सेवा, सहयोग और जनकल्याण की भावना से ओतप्रोत है.मनोज हमेशा जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहते हैं. सामाजिक, शैक्षणिक एवं जनहित के विभिन्न कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी उन्हें समाज के बीच एक अलग पहचान दिलाती है. युवाओं को सकारात्मक दिशा देने, सामाजिक जागरूकता बढ़ाने तथा सेवा कार्यों के माध्यम से लोगों के जीवन में बदलाव लाने का उनका प्रयास सराहनीय है.उनकी कार्यशैली में विनम्रता, सरलता और संवेदनशीलता का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है. वे मानते हैं कि समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है जब युवा वर्ग सेवा और संस्कारों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए. यही कारण है कि वे युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रेरित करते रहते हैं. प्रभाग के खेल तथा शिक्षा के क्षेत्र में मेधावी छात्रों , खिलाड़ियों के सत्कार के साथ ही अन्य मान्यवरों के सत्कार का कार्य लगातार करते हुए प्रोत्साहित करते हैं. मिलनसार, विनम्र, दिल के अच्छे के साथ ही सेवाभाव के कारण हजारों मित्र परिवार तैयार किया है. मनोज चौरे का व्यक्तित्व इस बात का उदाहरण है कि सेवा, समर्पण और सकारात्मक सोच के बल पर समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया जा सकता है. उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और समाज सेवा के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा. उन्हें उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें,मस्त रहें, यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क, अमरावती.

।। श्री गणेशाय नमः ।।

You are Cordially Invited
to the
Opening Ceremony
of

THE ENDOCRINE CENTRE
•Diabetes •Thyroid •Hormone care
&
AVIRAT DIAGNOSTIC PATHLAB

Near Baheti Hospital, Opposite Gopal Krishna Temple
Shrikrishna Road, Ambapeth, Amravati 444601

Sunday 21 June 2026 | 04:00 pm to 07:00 pm | The Endocrine Centre Ambapeth, Amravati

Awaiting your presence

Dr. Aaditya R. Daga
MBBS, MD, DM (Endocrinology) (KEMH, Mumbai)
Consultant Adult & Pediatric Endocrinologist

Dr. Ramesh Daga
Dr. Aayushi R. Daga
Dr. Kapil Mahajan
Dr. Rekha Daga
Dr. Pravin G. Nagpure

ENDOCRINOLOGIST
Balancing Hormones, Transforming Lives

Best Wishesh From Vidarbh Swabhiman Akhabar,Amravati.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

बेलपुरा रास्ता कब सुधारेगी महापालिका

अमरावती-रेलवे उड़ानपुल गिराने के बाद यातायात का भार राजापेठ से बेलपुरा मार्ग पर बढ़ गया है. लेकिन दुर्भाग्यवश अभी भी इस व्यस्त मार्ग पर मनपा का ध्यान नहीं है. लोगों की शिकायतों के बाद यहां मनपा ने गिट्टी डलवा दी लेकिन अभी तक डामरीकरण नहीं किया गया. इससे बारिश में रास्ते की दुर्दशा के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है. रास्ते को तत्काल सुधारने के लिए मनपा आयुक्त वर्षा लड्ढा मैडम से गुहार क्षेत्रवासियों ने लगाई है. रास्ते की बद्हाली के कारण आए दिन यहां पर दुर्घटनाएं हो रही हैं. गिट्टी के कारण स्लिप होने के साथ ही टायर भी तेजी से खराब हो रहा है.

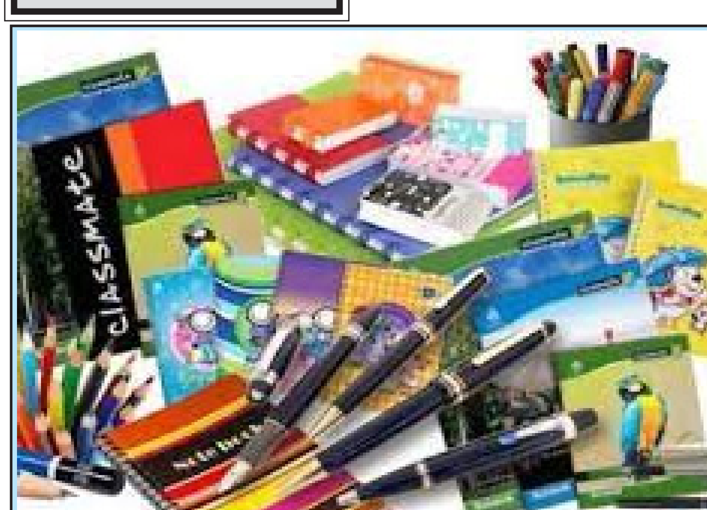

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--
प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.